गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

# गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 144
दि. 23.09.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in


## पीएम ने ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

**अरुणाचल प्रदेश शांति और संस्कृति का संगम है, यह भारत का गौरव है: प्रधानमंत्री**

**पूर्वोत्तर क्षेत्र राष्ट्र के विकास की प्रेरक शक्ति बन रहा है: प्रधानमंत्री**

**वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम की सफलता ने लोगों का जीवन सुगम बना दिया है: प्रधानमंत्री**

**जीएसटी अब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत तक सरल हो गया है, जिससे अधिकांश वस्तुओं पर कर कम हो गया है: प्रधानमंत्री**

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उन्होंने सर्वशक्तिमान डोनयी पोलो के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और सभी पर कृपा की प्रार्थना की।

### पूर्वोत्तर भारत की अष्टलक्ष्मी है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने कहा कि हेलीपैड से मैदान तक की यात्रा, मार्ग में अनगिनत लोगों से मिलना और बच्चों व युवाओं को राष्ट्रीय ध्वज थामे देखना, इन सभी ने तथा अरुणाचल प्रदेश के गर्मजोशी भरे आतिथ्य ने मुझे गौरवान्वित कर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अरुणाचल न केवल उगते सूरज की धरती है, बल्कि देशभक्ति की भी भूमि है। जिस तरह राष्ट्रीय ध्वज का पहला रंग केसरिया होता है, उसी तरह अरुणाचल की आत्मा भी केसरिया रंग से आरंभ होती है। श्री मोदी ने कहा कि अरुणाचल का हर व्यक्ति वीरता और सादगी का प्रतीक है। उन्होंने राज्य के प्रति अपना गहरा लगाव प्रदर्शित करते हुए कहा कि हर यात्रा उन्हें अपार प्रसन्नता देती है और लोगों के साथ बिताया हर पल यादगार होता है। उन्होंने अपने प्रति दिखाए गए प्यार और स्नेह को एक बड़ा सम्मान बताया। प्रधानमंत्री ने इस पवित्र भूमि को नमन करते हुए कहा, "तवांग मठ से लेकर नामसाई के गोल्डन पैगोडा तक, अरुणाचल प्रदेश शांति और संस्कृति के संगम का प्रतिनिधित्व करता है।"

## प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स लोगों की बचत में वृद्धि के साथ समृद्धि एवं वैभव बढ़ाएंगे : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

**मुख्यमंत्री ने आद्यशक्ति की आराधना के पर्व नवरात्रि से देश में लागू हुए जीएसटी रिफॉर्म्स का स्वागत किया**

**सीएम श्री भूपेंद्र पटेल ने सभी नागरिकों को नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएँ दीं, स्वदेशी अपनाने की अपील की**

गांधीनगर, 22 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा देश में प्रथम नवरात्रि 22 सितंबर से लागू किए गए नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स को लोगों की बचत में वृद्धि करने वाला बचत उत्सव बताया है।

इस संदर्भ में श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स में यह उदार भावना रखी है कि देश के लोगों के पैसों की बचत हो, लोग उमंगोल्लास से त्योहार मनाएँ और जीएसटी रिफॉर्म्स के लाभ से जीवन स्तर में सुधार हो।

मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी नागरिकों को नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए यह भी कहा कि आज का समय देश की आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी का है। उन्होंने अपील की कि हम भारत में बनी हुई वस्तुओं का ही उपयोग करें, खरीदें और व्यापारी भी स्वदेशी वस्तुएँ ही बेचने का आग्रह रखें।

उन्होंने जोड़ा कि प्रत्येक व्यापारी जीएसटी रिफॉर्म्स का लाभ ग्राहक तक पहुँचा कर बचत उत्सव को वेग दे। इतना ही नहीं; लोग भी स्वदेशी वस्तुएँ खरीद कर आत्मनिर्भर भारत का प्रधानमंत्री का संकल्प साकार करें।

## प्रधानमंत्री ने उज्ज्वला परिवार से जुड़ने वाली सभी माताओं और बहनों को बधाई दी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उज्ज्वला परिवार से जुड़ने वाली सभी माताओं और बहनों को बधाई दी है। श्री मोदी ने कहा, "हमारे इस कदम से न केवल उन्हें इस पावन पर्व पर नई खुशियां मिलेंगी, बल्कि महिला सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी और बल मिलेगा।" श्री मोदी ने केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी के उत्तर में कहा: "नवरात्रि के शुभ अवसर पर उज्ज्वला परिवार से जुड़ने वाली हमारी सभी माताओं-बहनों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं! हमारे इस कदम से ना सिर्फ इस पावन पर्व पर उन्हें नई खुशी मिलेगी, बल्कि नारी सशक्तिकरण के हमारे संकल्पों को भी और मजबूती मिलने वाली है।"

## आयुष मंत्रालय ने 10वें आयुर्वेद दिवस समारोह से पहले गोवा में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की

**"आयुर्वेद जन-जन के लिए, आयुर्वेद पृथ्वी के लिए" का मंत्र वैश्विक स्वास्थ्य और स्थिरता के लिए एक आह्वान है: एआईआईए के निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति**

**एआईआईए गोवा में नई स्वास्थ्य सुविधाएं आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा के बीच सेतु को मजबूत करेंगी**

**एआईआईए गोवा की डीन प्रो. (डॉ.) सुजाता कदम ने स्वास्थ्य, संतुलन और वैश्विक मान्यता की एक दशक लंबी यात्रा पर प्रकाश डाला**

**एआईआईए गोवा में 10वें आयुर्वेद दिवस के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य सेवा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की जाएगी**

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय ने 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आज पणजी, गोवा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान आयुर्वेद के महत्व व समग्र स्वास्थ्य में इसके योगदान पर प्रकाश डाला गया। साथ ही 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित की जाने वाली विशेष कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी गई।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), गोवा के निदेशक प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद दिवस का विषय "आयुर्वेद जन-जन के लिए, आयुर्वेद पृथ्वी के लिए" व्यक्तिगत स्वास्थ्य, वैश्विक कल्याण, पारिस्थितिक संतुलन और सतत विकास पर बल देता है। उन्होंने कहा कि 10वां आयुर्वेद दिवस आयुर्वेद को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने और वैश्विक स्वास्थ्य में इसकी भूमिका को व्यक्त करने का एक अवसर है।

उन्होंने एआईआईए, गोवा में नई स्वास्थ्य सुविधाओं के उद्घाटन का भी उल्लेख किया जिनमें एक एकीकृत ऑन्कोलॉजी इकाई, सेंट्रल स्टेराइल सप्लाई डिपार्टमेंट, लिनन प्रसंस्करण इकाई और ब्लड बैंक शामिल हैं।

## मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में वाइब्रेंट नवरात्रि महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया

**प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नवरात्रि के पहले दिन से ही नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म के क्रियान्वयन की भेंट इस वर्ष की नवरात्रि और दिवाली को देश के लोगों के लिए उमंग-उत्सव के साथ-साथ बचत उत्सव भी बनाएगा : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल**

**'आह्वान मां आद्यशक्ति' थीम पर 1000 से अधिक कलाकारों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति**

**पर्यटन मंत्री श्री मुळुभाई बेरा और मंत्रियों की प्रेरक उपस्थिति**

गांधीनगर, 22 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में वाइब्रेंट नवरात्रि महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 'आह्वान मां आद्यशक्ति' थीम पर 1000 से अधिक कलाकारों ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

सांस्कृतिक प्रस्तुति के अंत में, मुख्यमंत्री तथा मंत्रियों सहित सभी महानुभाव मां जगदंबा की भक्तिभावपूर्वक आरती उतारकर महाआरती में शामिल हुए।

परंपरा, संस्कृति और भक्ति के इस भव्य उत्सव का प्रारंभ पर्यटन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के मंत्री श्री मुळुभाई बेरा, राज्य मंत्री सर्वश्री जगदीश विश्वकर्मा और कुंवरजीभाई हळपति तथा अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन की उपस्थिति में हुआ।

मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को नवरात्रि के पहले दिन नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म को लागू करने की जो भेंट दी है, इससे इस वर्ष का वाइब्रेंट नवरात्रि महोत्सव और दिवाली का दीपोत्सव देश के लोगों के लिए उमंग और उत्सव के साथ-साथ बचत महोत्सव-डबल बचत बोनांजा बनेगा।

उन्होंने नवरात्रि के इन त्योहारों के दौरान डांडिया से लेकर आभूषणों और प्रसाधन सहित स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग कर प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान को समर्थन देने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने वाइब्रेंट नवरात्रि के शुभारंभ से पहले नौ संकल्पों पर आधारित थीमैटिक प्रदर्शनी, फोटो-जोन, सेल्फी पॉइंट, बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई किड्स सिटी, फूड कोर्ट और हैंडीक्राफ्ट बाजार जैसे आकर्षणों का भी जायजा लिया और स्टॉल्स में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ संवाद किया।

इतना ही नहीं, उन्होंने केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) की ओर से '11 वर्ष सुशासन' की थीम पर आयोजित मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर अहमदाबाद शहर के विधायक, मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, पर्यटन सचिव श्री राजेन्द्र कुमार, पर्यटन निगम के अध्यक्ष श्री प्रभव जोशी सहित कई महानुभाव और अधिकारी उपस्थित रहे।

## प्रधानमंत्री ने ईटानगर में व्यापारियों और उद्यमियों से बातचीत की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज ईटानगर में व्यापारियों और उद्यमियों के साथ बातचीत की। श्री मोदी ने कहा

कि व्यापारियों और उद्यमियों ने जीएसटी सुधारों और जीएसटी बचत उत्सव के शुभारंभ की सराहना करते हुए बताया कि कैसे इन पहलों से मत्स्य पालन, कृषि और अन्य स्थानीय उद्यमों जैसे प्रमुख क्षेत्रों को लाभ होगा।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया:

"आज ईटानगर में व्यापारियों और उद्यमियों से बातचीत की। उन्होंने जीएसटी सुधारों और जीएसटी बचत उत्सव के शुभारंभ की सराहना की।

## पीएम से मुलाकात में स्थानीय व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं ने अपने विविध और आकर्षक उत्पादों का प्रदर्शन किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज ईटानगर में स्थानीय व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं से मुलाकात की, जिन्होंने अपने विविध और आकर्षक उत्पादों का प्रदर्शन किया। श्री मोदी ने कहा, "उन्होंने जीएसटी सुधारों पर प्रसन्नता व्यक्त की। मैंने उन्हें 'गर्व से कहो ये स्वदेशी है' के पोस्टर भी दिए, जिन्हें उन्होंने उत्साहपूर्वक अपनी दुकानों पर लगाने की बात कही।"

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया:

"आज जैसे ही सूर्योदय हुआ, भारत की आर्थिक यात्रा में एक नया अध्याय शुरू हुआ, जीएसटी बचत उत्सव की शुरूआत के साथ। और, अरुणाचल प्रदेश, जो भारत की उगते सूरज की खूबसूरत भूमि है, से बेहतर

जगह क्या हो सकती है।

ईटानगर में, मैं स्थानीय व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं से मिला, जिन्होंने सुगंधित चाय, स्वादिष्ट अचार, हल्दी, बेकरी उत्पाद, हस्तशिल्प और अनेक वस्तुओं सहित विविध प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन किया।

उन्होंने जीएसटी सुधारों पर प्रसन्नता व्यक्त की। मैंने उन्हें 'गर्व से कहो ये स्वदेशी है' के पोस्टर भी दिए, जिसे उन्होंने उत्साहपूर्वक अपनी दुकानों पर लगाने की बात कही।"

## केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित आईसीएआर- किसानों से संवाद किया व उन्हें कृषि उपकरण व इनपुट किट का वितरण किया

**नवरात्रि पर्व पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को जीएसटी सुधारों का उपहार दिया**

**जीएसटी सुधार का सीधा लाभ जनता और किसानों को मिलेगा- श्री शिवराज चौहान**

**जीएसटी से किसान, गरीब, मध्यम वर्ग, विद्यार्थी सारा देश प्रसन्न है- श्री चौहान**

**नए खेती उपकरण आसान और समय बचाने वाले हैं- श्री शिवराज चौहान**

**केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें इंटीग्रेटेड फार्मिंग की ओर बढ़ना होगा**

(जीएनएस)।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित आईसीएआरझ केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान में

आयोजित कार्यक्रम में अपने विदिशा संसदीय क्षेत्र के बुधनी विधानसभा के किसान भाइयों-बहनों से संवाद किया और उन्हें कृषि उपकरण व इनपुट किट का वितरण किया। साथ ही केन्द्रीय मंत्री ने नवरात्रि के पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। श्री चौहान ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर देवी मां की कृपा भी बरसेगी और केंद्र सरकार के नए जीएसटी सुधारों का उपहार भी मिला है। रोजमर्रा की जरूरत की सभी चीजें जो अत्यंत महत्वपूर्ण हैं या तो उन पर जीएसटी 0% हो गई है या दरें कम हो गई है।

जीएसटी सुधार का सीधा लाभ जनता और किसानों को मिलेगा

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी नए जीएसटी सुधार लागू करने पर बधाई देता हूं। लागू किए गए जीएसटी सुधारों से आमजन और किसान दोनों को सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि, रोजमर्रा की जरूरत की अत्यंत आवश्यक चीजों पर अब जीएसटी शून्य प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि खेती-बाड़ी से जुड़ी वस्तुओं पर 18 और 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

# सम्पादकीय

## यूएस का खतरनाक गन कल्चर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी चार्ली किर्क को गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात यूटा के ओरम स्थित यूटा वैली यूनिवर्सिटी में छात्रों की मीटिंग के ठीक दौरान हुई। इस हत्या ने एक बार फिर अमेरिका को हिलाकर रख दिया है। यूटा वैली यूनिवर्सिटी में उस समय करीब तीन हजार छात्र थे। जब हमलावर ने चार्ली पर निशाना साधा। अधिकारियों ने जांच में पाया कि स्नाईपर ने दूर एक इमारत की छत पर छिपकर जो करीब 180 मीटर दूर थी से सीधी एक गोली चलाई जो चार्ली की गर्दन में लगी और वहीं वह ढेर हो गए। कौन थे चार्ली किर्क? चार्ली एक अमेरिकी वंजरवेटिव और मीडिया पर्सनैलिटी थे। उन्होंने टर्निंग प्वांट यूएसए नाम का यंग वंजरवेटिव संगठन 18 साल की उम्र में ही स्थापित किया था। वह उसके को-फाउंडर थे। वह युवाओं को राजनीतिक रूप से सक्रिय बनाने, बहसों में हिस्सा लेने और रूढ़िवादी विचारों को प्रोरित करने के लिए जाने जाते थे। राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी चार्ली किर्क के हत्यारे और हत्या की वजह के बारे में अब तक वुछ ठोस पता नहीं चला है लेकिन यह तय है कि उनकी लोकप्रियता काफी तेजी से बढ़ रही थी। ऐसे में एक सवाल यह भी हैंकि उन्हें कहीं उनकी बढ़ती लोकप्रियता तो हत्या की वजह नहीं बनी? छत से गोली वैसे ही चलाई गई, जैसे जुलाई 2024 में चुनाव प्रचार के दौरान पेनसिलवेनिया में डोनाल्ड ट्रंप पर चली थी। तब गोली ट्रंप का कान छूकर निकल गई थी। ट्रंप ने 31 वषाय किर्क को महान और दिग्गज बताया। वीडियो संदेश में उन्हें सत्य और स्वतंत्रता का शहीद बताया। हत्या के लिए उन्होंने कट्टर वामपंथियों की बयानबाजी को दोषी ठहराया। चार्ली किर्क के आखिरी भाषण का 30 सेवेंड का वीडियो सामने आया है। सपेद टेंट में बैनर्स पर द अमेरिकन कमबैक और प्रूव मी रॉन्ग भी रांडा स्लोगन लिखे थे। माइक लेकर बैठे किर्क सवालों का जवाब दे रहे हैं। श्रोता : 10 सालों में कितने ट्रांसजेंडर अमेरिकियों ने मास शूटिग की है? किर्क : बात ज्यादा। श्रोता : क्या आपको पता है कि 10 सालों में वुल कितने मास शूटर रहे हैं। किर्क : गैंग वायलेंस की गिनना है या नहीं? तभी गोली चलती है। गर्नर्ड किर्क के पास बैठी मैडिसन लैटिन ने कहा : मैंने गोली की आवाज सुनी। उनके शरीर से खून निकला और वे गिर गए। फिर चीख-पुकार के बीच अफरातफरी मच गई। यह दुखद है कि अमेरिका में राजनीतिक हिसा लगातार बढ़ रही है। दक्षिण पंथी व वामपंथी दोनों विचारधाराएं इससे प्रभावित हुई हैं। अमेरिकी इतिहास राजनीतिक हिंसा से भरा है। 60 के दशक में जान एफ वैनेडी, मार्टिन लूथर किग जूनियर की हत्या हुई। हाल के वर्षो में यह भय बार-बार सामने आया। 2021 में ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल हिल पर हमला किया। 2021 में सांसदों को 9600 से ज्यादा धमकियां मिली। अगले साल नैंसी पेलोसी के पति पर हमला हुआ। उसी साल न्यूयार्व के गर्वनर पद के उम्मीदवार ली नेल्डिन को सभा में चावू से मारने की कोशिश हुई। 2024 में प्रचार के दौरान खुद ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमले हुए, जिनमें वे बाल-बाल बच गए थे। अमेरिका के इस यह गन कल्चर को नियंत्रित करने की कई राष्ट्रपति प्रयास कर चुके हैं पर अमेरिका की यह गन लॉबी इतनी शक्तिशाली है कि वह किसी भी प्रकार के कंट्रोल को पारित ही नहीं होने देती। चार्ली किर्क की हत्या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए सीधी चुनौती है। विश्लेषकों का मानना है कि यह हमला ट्रंप, अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ा झटका और चुनौती है।

# उपराष्ट्रपति ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' शीर्षक प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों वाले खंडों का लोकार्पण किया

**ये पुस्तकें प्रधानमंत्री के योगदानों, उनके दृष्टिकोण और राष्ट्र से संबंधित उनके सपनों को दशार्ती हैं: उपराष्ट्रपति**

**प्रधानमंत्री मोदी लाखों लोगों के लिए एक जीवंत प्रेरणास्रोत हैं; उनका दृढ़ संकल्प यह दिखाता है कि असंभव को कैसे संभव बनाया जा सकता है: उपराष्ट्रपति**

**'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' श्रृंखला प्रधानमंत्री के राष्ट्र-निर्माण के मंत्र को दशार्ती है: उपराष्ट्रपति**

**पांच नाजुक अर्थव्यवस्था से बदलकर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक: प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों में उनके नेतृत्व की झलक दिखी: उपराष्ट्रपति**

**ये भाषण 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', काशी तमिल संगमम, जनजातीय गौरव दिवस और कर्तव्य पथ के जरिए सांस्कृतिक पहचान के पुनरुद्धार को दशार्ते हैं: उपराष्ट्रपति**

**प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य 2047 तक विकसित भारत की दिशा में देश की यात्रा को प्रतिध्वनित करते हैं: उपराष्ट्रपति**

**ये पुस्तकें अमृत काल के दौरान कर्तव्यों के प्रति वचनबद्धता को प्रेरित करेंगी और 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करेंगी: उपराष्ट्रपति**

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चुनिंदा भाषणों वाले दो खंडों का विमोचन किया, जिसका शीर्षक है 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'। इनमें प्रधानमंत्री के दूसरे कार्यकाल के चौथे और पांचवें वर्ष को शामिल किया गया है।

नई दिल्ली में सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने नवरात्रि के पावन अवसर पर नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक समारोह है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये दोनों खंड प्रधानमंत्री के योगदानों, उनके दृष्टिकोण और राष्ट्र से संबंधित उनके सपनों को समझने की कुंजी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को ह्लदेश और विदेश के लाखों लोगों के लिए एक ऐसा जीवंत प्रेरणास्रोतह्व बताया, जो अपने आचरण से लोगों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं, जो आम आदमी के प्रतिनिधि से एक सच्चे जननेता के रूप में विकसित हुए हैं, जिनके दृढ़ संकल्प ने हमें दिखाया है कि असंभव को कैसे संभव बनाया जा सकता है, नामुमकिन को मुमकिन करना, असंभव को संभव करना।ह्व

इन पुस्तकों, जिनमें 2022-23 के दौरान दिए गए 76 भाषण और 12 मन की बात संबोधन और 2023-24 के दौरान दिए गए 82 भाषण और 9 मन की बात संबोधन शामिल हैं और जिन्हें 11-11 विषयगत खंडों में संकलित किया गया है, की विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये पुस्तकें प्रधानमंत्री की विचारों की स्पष्टता, दूरदर्शी दृष्टिकोण और समावेशी शासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। उपराष्ट्रपति ने भाषणों के सावधानीपूर्वक चयन और सुंदर प्रस्तुति के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग को बधाई भी दी।

स्वामी विवेकानंद के इस कथन को उद्धृत करते हुए कि, ह्लउठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाएह्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री का हर भाषण दृढ़ता, दृढ़ संकल्प और लोक कल्याण का ही संदेश देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये भाषण प्रधानमंत्री मोदी के उस दृष्टिकोण को दशार्ते हैं जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सरकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें।

उन्होंने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', काशी तमिल संगमम, जनजातीय गौरव दिवस और राजपथ का नाम बदलकर कर्त्तव्य पथ करने जैसी पहलों के जरिए भारत की सांस्कृतिक पहचान को पुनर्जीवित करने में प्रधानमंत्री की भूमिका को रेखांकित किया।

युवा सशक्तिकरण के बारे में बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने स्टार्टअप इंडिया, फिट इंडिया, खेलो इंडिया, स्किल इंडिया और रोजगार मेला जैसी पहलों की प्रशंसा की और इन्हें 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का आधारभूत स्तंभ बताया। उन्होंने राष्ट्र के युवाओं में विश्वास पर आधारित पहल के रूप में मेरा युवा भारत (माई भारत) के शुभारंभ पर भी प्रकाश डाला।

जी-20 की भारत की अध्यक्षता का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में ऐतिहासिक रूप से शामिल किए जाने की सराहना की तथा प्रधानमंत्री मोदी के वसुधैव कुटुम्बकम- विश्व एक परिवार है- के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

उन्होंने आगे कहा कि ये भाषण प्रधानमंत्री मोदी की ह्ल360-डिग्री संलग्नताह्व को दशार्ते हैं, जिसमें वैश्विक एजेंडा को आकार देने से लेकर वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत और 'पीएम-सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' जैसी परिवर्तनकारी स्थानीय पहलों को आगे बढ़ाना शामिल है। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम किस प्रकार सतत विकास लक्ष्यों को दशार्ते हैं और लोगों के जीवन में ठोस बदलाव लाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि जन धन योजना, आधार-मोबाइल लिंकेज, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी, किसानों के लिए पीएम-किसान, मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि जैसी पहलों के जरिए पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी के जाल से बाहर निकल आए हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी धर्म, कर्तव्यबोध और सेवाभाव पर आधारित भारत के सभ्यतागत मूल्यों से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने हमें याद दिलाया कि एक मजबूत राष्ट्र केवल शक्ति से नहीं, बल्कि चरित्र और एकता से बनता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए कोई भी लक्ष्य कभी बहुत दूर या बहुत कठिन नहीं होता, क्योंकि वे निरंतर 1.40 अरब भारतीयों की शक्ति से ताकत प्राप्त करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि जनता की सामूहिक क्षमता में प्रधानमंत्री के अटूट विश्वास ने स्वच्छ भारत अभियान को जनभागीदारी के एक जन आंदोलन में बदल दिया और नागरिकों में ह्लस्वच्छता ही सेवा हैह्व की भावना का संचार किया। उन्होंने आगे कहा कि इसी विश्वास ने प्रधानमंत्री को कोविड संकट के दौरान भारत को आत्मनिर्भरता के पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ाने का साहस दिया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक दशक पहले, भारत को पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था। आज, भारत गर्व से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और यह जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह महज एक आर्थिक उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय अनुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र प्रथम की भावना का परिणाम है जो देश की विकास यात्रा का मार्गदर्शन करती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि विकसित भारत का सपना आंखों में चमक रहा है और राष्ट्र प्रथम का सिद्धांत हर नागरिक के दिल में गूंज रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विरासत, इतिहास, भाषा और संस्कृति के प्रति नए सिरे से प्रेम देश के अमृत काल का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पुस्तकें पाठकों को 'नए भारत' की शक्ति एवं आकांक्षाओं को समझने में मदद करेंगी और उन्हें 2047 तक विकसित भारत के निर्माण हेतु इस अमृत काल में अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित करेंगी।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने इन खंडों को प्रकाशित करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा प्रकाशन विभाग की टीम को बधाई दी।

इस कार्यक्रम में माननीय सूचना और प्रसारण, रेलवे, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, माननीय उपराष्ट्रपति के सचिव श्री अमित खरे, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू, भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष न्यायमूर्ति (श्रीमती) रंजना प्रकाश देसाई, सांसद श्री निशिकांत दुबे एवं श्री योगेश चंदोलिया, दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रख्यात पत्रकार उपस्थित थे।

# कोयला क्षेत्र में जीएसटी सुधार - कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम

(जीएनएस)।

कोयला मंत्रालय ने जीएसटी परिषद की नई दिल्ली में हुई 56वीं बैठक में लिए गए उन ऐतिहासिक निर्णयों का स्वागत किया है जिनसे कोयला क्षेत्र के कराधान ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। ये सुधार कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम हैं जिससे कोयला उत्पादकों के साथ-साथ उपभोक्ताओं को भी लाभ होगा।

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर को हटाया गयाः परिषद ने कोयले पर पहले लगाए गए 400 रुपए प्रति टन क्षतिपूर्ति उपकर को समाप्त कर दिया है।

कोयले पर जीएसटी दर में वृद्धिः कोयले पर जीएसटी दर 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है।

कोयला मूल्य निर्धारण और बिजली क्षेत्र पर नए सुधार के कारण कुल कर भार में उल्लेखनीय कमी आई है क्योंकि जी6 से जी17 श्रेणी के कोयला मूल्य में 13.40 रुपए प्रति टन से लेकर 329.61 रुपए प्रति टन तक की कमी देखी गई है। बिजली क्षेत्र के लिए औसत कमी लगभग 260 रुपए प्रति टन है जो उत्पादन लागत में 17-18 पैसे प्रति किलोवाट घंटा की कमी दशार्ती है।

सभी कोयला श्रेणियों में कर भार को युक्तिसंगत बनाने से न्यायसंगत व्यवहार सुनिश्चित होगा। यह पहले लागू 400 रुपए प्रति टन क्षतिपूर्ति उपकर को समाप्त करेगा जो निम्न-गुणवत्ता और कम कीमत वाले कोयले पर असमान रूप से प्रभाव डालता था। उदाहरण के लिए, कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा सबसे अधिक मात्रा में उत्पादित जी-11 नॉन-कोकिंग कोयले पर कर भार 65.85 प्रतिशत था जबकि जी2 कोयले पर यह 35.64 प्रतिशत था। उपकर हटा दिए जाने के बाद अब सभी श्रेणियों पर कर भार एक समान रूप से 39.81 प्रतिशत हो गया है।

भारत की आत्मनिर्भरता मजबूत हुई है और आयात पर अंकुश भी लगा है क्योंकि उपकर हटाने से प्रतिस्पर्धा का स्तर समान हो गया है और पहले की वह स्थिति अब नहीं है जहां 400 रुपए प्रति टन की जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की एकसमान दर के परिणामस्वरूप उच्च सकल कैलोरी मान वाले आयातित कोयले की लैंडिंग लागत भारतीय निम्न-श्रेणी के कोयले की तुलना में कम थी। यह सुधार भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है और अनावश्यक कोयला आयात पर अंकुश लगाता है।

इन सुधारों ने कोयले पर जीएसटी की दर बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी है जिससे उलटा शुल्क विसंगति भी दूर हो गई है। पहले, कोयले पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगता था जबकि कोयला कंपनियों द्वारा उपयोग की जाने वाली इनपुट सेवाओं पर उच्च जीएसटी दर, सामान्यतः 18 प्रतिशत लागू होती थी। इस असमानता के कारण, कोयला कंपनियों की कम उत्पादन जीएसटी देयता के कारण, उनके खातों में अप्रयुक्त कर क्रेडिट जमा होता था।

रिफंड का कोई प्रावधान न होने के कारण, यह राशि बढ़ती रही और धनराशि अवरुद्ध होती रही। आने वाले वर्षों में अप्रयुक्त राशि का उपयोग जीएसटी कर देयता का भुगतान करने के लिए किया जा सकता है जिससे तरलता पर लगी रोक हटेगी और कोयला कंपनियों को अप्रयुक्त जीएसटी क्रेडिट के जमा होने के कारण होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी तथा वित्तीय स्थिरता बढ़ेगी।

जीएसटी दरों में 5 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की वृद्धि के बावजूद, सुधारों का समग्र प्रभाव यह है कि अंतिम उपभोक्ताओं के लिए कर भार कम होगा, साथ ही उल्टे शुल्क ढांचे में सुधार होगा, जिससे तरलता बढ़ेगी, विकृतियां दूर होंगी तथा कोयला उत्पादकों के लिए घाटे को रोका जा सकेगा।

जीएसटी परिषद के निर्णयों से भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने, उत्पादकों को समर्थन देने, उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप कोयला क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है जिससे वास्तव में यह एक संतुलित सुधार बन जाएगा।

# मुख्यालय आईडीएस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा पर असैन्य -सैन्य सहभागिता के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करते हुए संयुक्त सैन्य कार्रवाई समीक्षा और मूल्यांकन (कोर) कार्यक्रम का आयोजन

(जीएनएस)।

मुख्यालय एकीकृत रक्षा कार्मिक (मुख्यालय आईडीएस) द्वारा संयुक्त सैन्य कार्रवाई समीक्षा और मूल्यांकन (कोर) कार्यक्रम का आयोजन 22 से 26 सितंबर, 2025 तक नई दिल्ली के यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया में किया जा रहा है। यह पहल राष्ट्रीय सुरक्षा पर असैन्य-सैन्य सहभागिता के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान करती है, जो भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ रक्षा, विदेश और गृह मंत्रालयों के अधिकारियों को एक साथ लाती है।

कोर के विषयों में उभरती क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियां, युद्ध की प्रकृति पर तकनीकी परिवर्तनों का प्रभाव, रणनीतिक संचार का महत्व और जटिल एवं बहुआयामी खतरों से निपटने में असैन्य व सैन्य हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल की बढ़ती आवश्यकता शामिल हैं।

पांच दिनों तक चलने वाला कोर कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों और प्रमुख पेशेवरों के साथ गहन विचार-विमर्श के माध्यम से समकालीन राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर व्यापक जानकारी प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम रणनीतिक रूप से जागरूकता बढ़ाने और प्रतिभागी अधिकारियों को नए दृष्टिकोणों से लैस करने के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे अपने भविष्य

के नेतृत्व की भूमिकाओं में व्यावहारिक, सही सूचना आधारित व संतुलित निर्णय ले सकें।

यह चर्चा दृष्टिकोण को व्यापक बनाने, संयुक्त समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करने और वरिष्ठ नेतृत्व की बौद्धिक क्षमता को सशक्त करने में सहायक होगी। साथ ही, यह कार्यक्रम पेशेवर दक्षताओं को बढ़ाने, अंतर-सेवा संयुक्तता को सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की गतिशील चुनौतियों से निपटने के लिए भविष्य के योद्धाओं को तैयार करने में मुख्यालय आईडीएस की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

# जनसुराज 243 सीटों कैसे उतारेगा अपने उम्मीदवार? प्रशांत किशोर ने बनाया मास्टर प्लान

(जीएनएस)।

बिहार में विधानसभा चुनाव की आहट तेज हो चुकी है। सभी दल अपने-अपने स्तर पर चुनावी रणनीति में जुट गए हैं। ऐसे माहौल में सबसे ज्यादा चर्चा बटोर रही है प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज। प्रशांत किशोर ने एक ऐसा मास्टर प्लान तैयार किया है, जिसके तहत पार्टी 243 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है।

खास बात ये है कि टिकट बंटवारे का फैसला बंद कमरे में नहीं, बल्कि कार्यकताओं और स्थानीय जनता की राय के आधार पर होगा। यही रणनीति जनसुराज को बाकी दलों से अलग खड़ा करती है।

विधानसभा वार सम्मेलन से होगी शुरूआत

जनसुराज पार्टी ने सोमवार (22 सितंबर) से विधानसभा वार सम्मेलन की शुरूआत कर दी है। यह अभियान 26 सितंबर से लेकर 3 से 6 अक्टूबर तक चलेगा और इसमें राज्य के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। हर सम्मेलन में पार्टी के संस्थापक सदस्य, केंद्रीय पर्यवेक्षक, जिला प्रभारी और जिलाध्यक्ष मौजूद रहेंगे।

इस दौरान स्थानीय कार्यकताओं से लेकर बूथ, पंचायत और प्रखंड स्तर तक की इकाइयों से उस इलाके की राजनीतिक स्थिति पर फीडबैक लिया जाएगा।

टिकट बंटवारे का नया प्रयोग

जहां अन्य दलों में टिकट का फैसला आलाकमान करता है, वहीं जनसुराज इसे पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से करने का दावा कर रही है। उम्मीदवार चुनने से पहले कार्यकताओं से पूछा जाएगा कि कौन व्यक्ति चुनाव लड़ने की क्षमता और प्रभाव रखता है।

साथ ही उम्मीदवार की सामाजिक पकड़, लोकप्रियता और संगठन से जुड़ाव पर भी राय ली जाएगी। पार्टी प्रवक्ता सैयद मसीहउद्दीन के मुताबिक, जनसुराज का ये प्रयोग बिहार की राजनीति में एक "नवाचार" साबित हो सकता है।

पैक्स प्रतिनिधियों से मुलाकात

प्रशांत किशोर ने हाल ही में भोजपुर और बक्सर के करीब 300 पैक्स प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि जब तक किसान और पैक्स प्रतिनिधि संगठित होकर अपनी समस्याओं की आवाज नहीं उठाएंगे, तब तक सरकार उनकी सुध नहीं लेगी। ढङ ने उन्हें हर स्तर पर एकजुट होकर दबाव बनाने की सलाह दी।

इस बैठक में केंद्रीय सहकारी बैंक भोजपुर के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में आए प्रतिनिधियों ने पीके को धान खरीद और पैक्स से जुड़ी कई परेशानियों से अवगत कराया। बैठक में पूर्व आईएएस और जनसुराज नेता एनपी मंडल और सहकारी नेता त्रिवेणी प्रसाद सिंह भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने भी प्रतिनिधियों से अपनी समस्याओं को लेकर मजबूती से खड़े होने की अपील की।

ढङ का बड़ा दांव

जनसुराज की रणनीति साफ है- टिकट पाने का हक उन्हीं को मिलेगा, जिनके पक्ष में जमीनी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग खड़े होंगे। इससे पार्टी उम्मीद कर रही है कि जनता का भरोसा बढ़ेगा और संगठन मजबूत होगा। प्रशांत किशोर का मानना है कि बिहार की राजनीति में बदलाव तभी संभव है, जब लोगों की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित न रहकर, टिकट तय करने तक भी पहुंचे।

बिहार चुनाव 2025 में जनसुराज का यह मास्टर प्लान कितना असरदार साबित होगा, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन एक बात तय है- 243 सीटों पर कार्यकताओं की राय से उम्मीदवार चुनने की यह पहल जनता के बीच चर्चा का विषय बन गई है। अब देखना होगा कि ढङ का यह "नवाचारी दांव" जनसुराज को चुनावी अखाड़े में कितना मजबूत करता है।

# फ्लाइट के लैडिंग गियर में छिपकर अफगानिस्तान से 13 साल का लड़का पहुंचा दिल्ली, हैरान कर देगा पूरा मामला

(जीएनएस)।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (IGI) हवाई अड्डे पर ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर बॉलीवुड फिल्म की यादें ताजा हो गई जिसमें हीरो वीजा ना होने के कारण फ्लाइट के बाहर लैंडिंग गियर कंपार्टमेंट में बैठकर यात्रा करता है।

ठीक वैसे ही घटना रविवार सुबह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (IGI) हवाई अड्डे पर विमान के उतरने के बाद सामने आई। एक 13 साल का लड़का काबुल से दिल्ली आने वाली उड़ान में फ्लाइट के अंदर नहीं बल्कि बाहर लैडिंग्र गियर छिपकर दिल्ली पहुंचा।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, लड़के ने काबुल हवाई अड्डे के प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश किया और डअट एयर की उड़ान फ्द-4401 के पिछले केंद्रीय लैंडिंग गियर कंपार्टमेंट में छिप गया। काबुल से उड़ान भरने के बाद, विमान लगभग दो घंटे की

यात्रा के बाद सुबह 11:00 बजे दिल्ली में उतरा।

विमान उतरने के बाद, एयरलाइन कर्मचारियों ने किशोर को विमान के पास घूमते देखा, जिसके बाद हवाई अड्डे की सुरक्षा को सतर्क किया गया। उत्तरी अफगानिस्तान के कुंदुज शहर का रहने वाला यह लड़का एयरलाइन स्टाफ द्वारा पकड़ा गया और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) को सौंप दिया गया। उसे पूछताछ के लिए टर्मिनल 3 ले जाया गया।

पीटीआई रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, लड़के ने दावा किया कि वह सिर्फ जिज्ञासावश विमान में घुसा था और उसे इसमें शामिल जोखिमों की पूरी जानकारी नहीं थी। अधिकारियों ने पुष्टि की कि लड़के को उसी विमान से अफगानिस्तान वापस भेज दिया गया, जिसने रविवार को दोपहर 12:30 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी।

डअट एयरलाइंस के सुरक्षा कर्मियों ने लैंडिंग गियर कंपार्टमेंट का गहन निरीक्षण किया और एक छोटा लाल स्पीकर बरामद किया, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह लड़के का था। अधिकारियों ने बताया कि व्यापक जांच, जिसमें तोड़फोड़-रोधी उपाय भी शामिल थे, के बाद विमान को सुरक्षित घोषित कर दिया गया।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

# भावनगर मंडल के 2 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित



पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मुंबई स्थित मुख्यालय में 12 कर्मचारियों को सम्मानित किया। इन कर्मचारियों ने अपने सतर्क कार्य से सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित किया। अगस्त 2025 माह में सतर्कता बरतने एवं संभावित घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए इन कर्मचारियों को जी.एम. संरक्षा पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मानित कर्मचारियों में 2-2 कर्मचारी मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, अहमदाबाद, राजकोट एवं भावनगर मंडल से हैं। भावनगर मंडल से श्री सीता राम यादव (स्टेशन मास्टर झ धोला जंक्शन) और श्री राठोड़ नरेन्द्रकुमार विरजिभाई (सहायक लोको पायलट-भावनगर टर्मिनस) को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि वे सभी अनुकरणीय आदर्श हैं। कर्मचारियों की उच्च स्तर की प्रतिबद्धता एवं समर्पण ने सुरक्षित रेल संचालन में अहम भूमिका निभाई है। इनमें सुरक्षा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों जैसे टूटे बोल्ट का पता लगाना, कोच/इंजन के नीचे धुआं एवं चिंगारी का पता लगाना, पटरियों में दरार, टूटा कपलर बॉडी, डिब्बों में लटकते हुए सामान, दुर्घटना राहत ट्रेन (अफ्ळ), खुले फाटक से पहले आपातकालीन ब्रेक लगाकर दुर्घटना रोकना आदि शामिल हैं।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने सभी कर्मचारियों को बधाई दी एवं प्रशंसा कर भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करते रहने हेतु प्रोत्साहित किया।

पश्चिम रेलवे सभी सम्मानित कर्मचारियों की त्वरित सोच एवं सतर्कता की सराहना करती है, जिनकी वजह से संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका।

# पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आयोजित वेस्ट टू आर्ट प्रदर्शनी में रीसाइक्लिंग की अभिनव प्रस्तुतियाँ

कचरे को बहुमूल्य चीजों में बदला - पश्चिम रेलवे ने अभिनव रीसाइक्लिंग से यात्रियों को दी प्रेरणा



कचरे से कला तक : मुंबई सेंट्रल के यात्रियों को स्वच्छ भविष्य का संदेश देती मनमोहक प्रदर्शनी

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा 22 सितंबर 2025 को मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक अनूठी "वेस्ट टू आर्ट" प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत स्टेशन के कॉन्कोर्स हॉल में आयोजित यह प्रदर्शनी दिखाती है कि पश्चिम रेलवे अपशिष्ट कम करने और बेकार सामग्रियों के रचनात्मक पुनः उपयोग के प्रति कितनी प्रतिबद्ध है। यह पहल यह भी संदेश देती है कि आमतौर पर बेकार मानी जाने वाली वस्तुएँ भी सृजनात्मकता और नवप्रवर्तन से उपयोगी, आकर्षक और प्रेरक रूप ले सकती हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस प्रदर्शनी में मूर्तियों और कलात्मक प्रतिष्ठानों का एक प्रभावशाली संग्रह प्रदर्शित किया गया है, जो पूरी तरह से कबाड़ और बेकार रेलवे सामग्री से निर्मित हैं। एमएस पाइप, एंकर लिंक कंट्रोल आर्म्स, एमएस एंगल्स, एमएस शीट्स, ब्रेक हैंगर ब्रैकेट्स, कॉइल्ड स्प्रिंग्स, अल्टरनेटर टेंशन रॉड स्प्रिंग्स, वॉशर और अन्य धातु के स्क्रैप जैसी वस्तुएँ, जिन्हें आमतौर पर कबाड़खाने में फेंक दिया जाता है, उन्हें कला की आकर्षक कृतियों में बदल दिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा संचालित यह पहल न केवल रचनात्मकता के लिए है, बल्कि जागरूकता फैलाने के लिए भी है। हर स्थापना एक संदेश देती है: कचरे पर पुनर्विचार करें, स्मार्ट तरीके से रीसायकल करें और नई संभावनाओं की कल्पना करें। मुंबई सेंट्रल से रोजाना गुजरने वाले हजारों यात्री इस प्रदर्शन को निहारने, तस्वीरें लेने और "कचरे" के वास्तविक अर्थ को समझने के लिए एक नए दृष्टिकोण के साथ लौटते हैं।

श्री विनीत अभिषेक ने आगे बताया कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से, पश्चिम रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को उन चीजों में छिपी संभावनाओं को देखने के लिए प्रेरित करना है, जिन्हें आमतौर पर कचरे के रूप में फेंक दिया जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल एक छोटा लेकिन सार्थक कदम है जो स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप है और एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित भविष्य के निर्माण के पश्चिम रेलवे के दृष्टिकोण को दशार्ता है।

# रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वडोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री फ्रांसिस लोबो के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल, द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस

दिनांक 20 सितम्बर 2025 को रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वडोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री फ्रांसिस लोबो के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल, द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं रेल कर्मचारी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रमों में सहभागिता प्रदान की। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बल सदस्यों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जागृत करना, आम नागरिकों को जागरूक करना एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना रहा।

आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों में



मंडल स्तर पर आयोजित रक्तदान शिविर (जिसमें 41 बल सदस्यों एवं 13 बाहरी व्यक्तियों सहित कुल 54 यूनिट रक्तदान हुआ), विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण,पोस्टों एवं बैरकों में साफ-सफाई अभियान, सरदार नगर रेलवे कॉलोनी में स्वच्छता जागरूकता रैलीएवंपौधों के संरक्षण का संकल्प, दीपक फाउंडेशन (उहउ) के बाल संरक्षण गृह में बच्चों का उत्साहवर्धन, तथा यात्री गाड़ियों में ह्लमेरीसहेलीह्व, रेलवे हेल्पलाइन 139 एवं जहरखुरानी से संबंधित जागरूकता अभियान शामिल रहे।

इस प्रकार वडोदरा मंडल द्वारा रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस पर समाजहित एवं जन-जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गऐ जिनमें बल सदस्यों ने उल्लास एवं ऊर्जा के साथ सक्रिय भागीदारी निभाई और स्थापना दिवस को सफल एवं गरिमामय बनाया।

# खेल जगत में नारी शक्ति : सरिता गायकवाड़, माना पटेल, अंकिता रैना और इलावेनिल वालारिवन जैसी खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुजरात का नाम रोशन किया

**खेलों में महिलाओं को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात सरकार, शक्तिदूत योजना के अंतर्गत 2024-25 में महिला खिलाड़ियों को 147 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक सहायता का वितरण**

**तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया खेल महाकुंभ बना गेम चेंजर, 26 लाख से अधिक महिलाओं ने कराया रजिस्ट्रेशन**

**महिला खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार योजना के तहत कुल 11 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी गई**

गांधीनगर, 22 सितंबर : नवरात्रि यानी शक्ति के नौ स्वरूपों की आराधना का महोत्सव। नवरात्रि का त्योहार नारी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत@2047' के विजन को साकार करने में महिला सशक्तिकरण पर हमेशा जोर दिया है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और अब भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लगातार प्रयास किए हैं। खेल क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा शुरू की गई खेल महाकुंभ की पहल और उसी तर्ज पर



राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किए गए खेलो इंडिया कार्यक्रम के चलते देश की महिला खिलाड़ियों की प्रतिभा में अभूतपूर्व निखार आया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है।

गुजरात की महिला खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दमदार प्रदर्शन, खेल महाकुंभ में 26 लाख से अधिक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन

गुजरात की महिला खिलाड़ियों ने बीते कुछ सालों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी है। सरिता गायकवाड़ (दौड़), माना पटेल (तैराकी), अंकिता रैना (टेनिस), इलावेनिल वालारिवन (निशानेबाजी) और भाविना पटेल (टेबल टेनिस) जैसी खिलाड़ियों ने खेल क्षेत्र में दमदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुजरात का नाम रोशन किया है। इन खिलाड़ियों ने राज्य की अन्य महिलाओं को खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने को प्रेरित किया है। उल्लेखनीय है कि 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई खेल महाकुंभ की पहल के कारण अब महिलाएं बड़ी संख्या में विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रही हैं। खेल महाकुंभ एशिया का सबसे बड़ा जमीनी स्तर पर प्रतिभा की पहचान और विकास का कार्यक्रम है। अब तक कुल 26 लाख 56 हजार से अधिक महिलाओं ने खेल महाकुंभ के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।

शक्तिदूत योजना के अंतर्गत महिला खिलाड़ियों को 147 लाख रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि का वितरण

गुजरात सरकार ने वर्ष 2006 में शक्तिदूत योजना लागू की थी, जिसका उद्देश्य राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने के लिए तैयार करना है। इस योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों की क्षमता को ध्यान में रखकर उन्हें आवश्यकतानुसार खेल से संबंधित सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। शक्तिदूत योजना के तहत अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना को 2017 से 2024 के दौरान 2 करोड़ 19 लाख रुपए से अधिक की सहायता प्रदान की गई है। वहीं, तैराकी में डंका बजाने वाली माना पटेल को शक्तिदूत योजना के तहत 2017 से 2024 के दौरान 67,50,798 रुपए की सहायता प्रदान की गई है। माना पटेल राज्य की पहली महिला तैराक हैं, जिन्होंने ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने साउथ एशियन गेम्स जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा तथा खेलो इंडिया जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी पदक जीते हैं।

डांग एक्सप्रेस के रूप में जानी जाने वाली और एशियाई खेल 2018 में महिलाओं की 4७400 मीटर रिले टीम प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीतने वाली सरिता गायकवाड़ को शक्तिदूत योजना के तहत 2017 से 2024 के दौरान 12 लाख रुपए की सहायता दी गई है।

# भारत, ब्राजील ने 'मैत्री 2.0' क्रॉस-इन्क्यूबेशन कार्यक्रम के जरिए कृषि-नवाचार में साझेदारी को मजबूत किया

**'मैत्री 2.0' दोनों देशों के बीच सह-निर्माण हेतु द्विपक्षीय शिक्षण मंच है: आईसीएआर महानिदेशक डॉ. एमएल जाट**

(जीएनएस)।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने आज नई दिल्ली में ब्राजील-भारत कृषिटेक क्रॉस-इन्क्यूबेशन कार्यक्रम (मैत्री 2.0) के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सचिव (डीएआरई) एवं महानिदेशक (आईसीएआर) डॉ. एमएल जाट तथा भारत में ब्राजील के राजदूत श्री केनेथ नोब्रेगा, साथ ही वरिष्ठ अधिकारी और ब्राजील के अग्रणीय शोध एवं नवाचार संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डॉ. जाट ने भारत और ब्राजील के बीच 77 वर्ष पुरानी साझेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने ब्रिक्स और जी20 जैसे वैश्विक मंचों पर दोनों देशों

की साझा भूमिका और कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला में सहयोग हेतु हाल ही में हुए आईसीएआर-ईएमबीआरएपीए समझौता ज्ञापन को एक बड़ी उपलब्धि बताया। ऐतिहासिक कृषि संबंधों को याद करते हुए डॉ. जाट ने परस्पर पूरकता की शक्ति और नवाचार-संचालित विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि आईसीएआर ने 1996 में 74 पेटेंट से बढ़कर प्रतिवर्ष 1,800 से अधिक पेटेंट हासिल किये हैं, जिन्हें इनक्यूबेशन केंद्रों और 5,000 से अधिक लाइसेंसिंग समझौतों का सहयोग मिला है। श्री जाट ने यह भी कहा कि व्यावसायीकरण केवल राजस्व तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सार्वजनिक-वित्त पोषित नवाचारों को अंतिम उपयोगकताओं तक पहुंचाना है। महानिदेशक महोदय ने 'मैत्री 2.0' को भारतीय और ब्राजीलियाई नवाचारकों के बीच सह-निर्माण हेतु द्विपक्षीय शिक्षण मंच बताया और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक मजबूत, नवाचारी एवं समावेशी कृषि-खाद्य इको-सिस्टम के निर्माण की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत में ब्राजील के राजदूत श्री केनेथ नोब्रेगा ने अपने संबोधन में आईसीएआर की पहल की सराहना की और भारत तथा ब्राजील के कृषिटेक इको-सिस्टम्स के बीच तालमेल स्थापित करने के रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया।

# केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने राजकोट जिला सहकारी बैंक लिमिटेड सहित 7 जिला स्तरीय सहकारी समितियों की वार्षिक बैठक को संबोधित किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के राजकोट में राजकोट जिला सहकारी बैंक लिमिटेड सहित 7 जिला स्तरीय सहकारी समितियों की वार्षिक बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री अमित शाह ने कहा कि देश के स्वतंत्र होने के बाद से ही सहकारी क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की मांग थी कि केन्द्र सरकार में सहकारिता मंत्रालय का गठन किया जाए। पहले देश के विशाल सहकारी तंत्र को कृषि मंत्रालय के एक संयुक्त सचिव द्वारा चलाया जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2021 में अलग

सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी के एक निर्णय से कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक पूरे देश में करोड़ों किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को ऐसा अवसर मिला है कि उनकी मेहनत से प्राप्त मुनाफा सीधा उनके बैंक खाते में जा रहा है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि राजकोट का सहकारी क्षेत्र न केवल गुजरात, बल्कि पूरे देश के लिए एक उदाहरण है। सहकारी क्षेत्र को और मजबूत किया जाना चाहिए और प्रत्येक गाँव में दूध मंडली, सेवा सहकारी मंडली और गोदाम युक्त सहकारी समितियों की स्थापना की जानी चाहिए। आज सरदार वल्लभभाई पटेल और विट्ठलभाई रादडिया की प्रतिमाओं का अनावरण हुआ। उन्होंने कहा कि वल्लभभाई पटेल ने न केवल राजकोट बल्कि पूरे देश के किसानों के लिए हमेशा लड़ाई लड़ी, राजकोट जिला कोऑपरेटिव बैंक की स्थापना की, उसे मजबूती प्रदान की तथा विस्तार किया। वहीं, विट्ठलभाई ने लंबे समय तक इस बैंक की सेवा की।

# भारत सरकार का खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग 2025 तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान जारी रखेगा

(जीएनएस)।

'स्वच्छता ही सेवा-2025' अभियान के एक हिस्से के रूप में, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी), भारत सरकार ने 19.09.2025 को नई दिल्ली में फिरोज गांधी कैंप, में घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाया। विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने शाम को कैंप का दौरा किया और कैंप के निवासियों को झाड़ू, कूड़ेदान, साबुन और सैनिटाइजर वितरित किए। कैंप के निवासियों को न केवल अपने घरों को बल्कि अपने आस-पास के वातावरण को भी स्वच्छ रखने का महत्व समझाया गया। वहां के निवासियों के बच्चों को भी व्यक्तिगत स्वच्छता और अपने परिवेश को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया गया।

युवा पीढ़ी में स्वच्छता की आदतें अपनाने के लिए, डीएफपीडी के कर्मचारियों के बच्चों के लिए 21.09.2025 को स्वच्छता पर एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

स्वच्छताहीसेवा 2025 अभियान के अंतर्गत, डीएफपीडी ने 22.09.2025 को कृषि भवन से

जंतर-मंतर तक एक वॉकथॉन का आयोजन किया और इस दौरान इस वॉकथॉन में हिस्सा लेने वाले धावकों ने रास्ते से कचरा भी उठाया।

इस बीच, विभाग के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और संबद्ध कार्यालयों द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं

केंद्रीय भंडारण निगम, के मुख्यालय ने 19.09.2025 को शाहपुर जट्ट गांव, नई दिल्ली में अपने आप सड़कर समाप्त होने वाले और जैविक रूप से सड़कर समाप्त होने वाले अपशिष्ट के निपटान के लिए आस-पास के निवासियों को कूड़ेदान वितरित किए।

भारतीय अनाज भंडारण प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान (आईजीएमआरआई) लुधियाना ने 18.09.2025 को चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया, जबकि आईजीएमआरआई-हैदराबाद ने गोदामों में स्वच्छता अभियान चलाया। आईजीएमआरआई, हापुड़ के कर्मचारियों ने 19.09.2025 को परिसर के लॉन और आस-पास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया। अवांछित झाड़ियों और घास को साफ किया गया, जिससे स्वच्छ और हरित वातावरण को बढ़ावा मिला।

भारतीय खाद्य निगम ने अपने क्षेत्रीय और जिला कार्यालयों तथा नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में इस अभियान के तहत वॉकथॉन का आयोजन किया।

# बुद्ध के पवित्र अवशेष 'प्रथम प्रदर्शनी' के लिए रूस के काल्मिकिया की यात्रा पर

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली से बुद्ध के पवित्र अवशेष प्रथम प्रदर्शनी के लिए रूस के काल्मिकिया जाएंगे तथा उनके साथ वरिष्ठ भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भिक्षुओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस क्षेत्र की बौद्ध बहुल आबादी के बीच उपस्थित रह कर उनके साथ प्रार्थना करेगा।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का संदूक

भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), राष्ट्रीय संग्रहालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सहयोग से, रूस के काल्मिकिया की राजधानी एलिस्टा में 24 से 28 सितंबर, 2025 तक आयोजित होने वाले तीसरे अंतरराष्ट्रीय बौद्ध मंच में राष्ट्रीय संग्रहालय में स्थापित पवित्र बौद्ध अवशेषों की पहली बार एक प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है।

गौतम बुद्ध के जीवन के दृश्यों को दर्शाने वाला मन्नत स्तूप

लगभग 10 वीं शताब्दी ई.

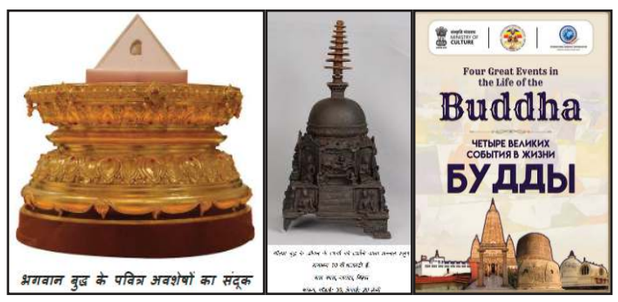

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का संदूक

पाल काल, नालंदा, बिहार

कांस्य, चौड़ाई: 30, ऊंचाई: 20 सेमी

एसीसी संख्या 49.129

(राष्ट्रीय संग्रहालय संग्रह)

रूस के काल्मिकिया में प्रदर्शनी हॉल में प्रदर्शित की जाने वाली कलाकृति

"नई सहस्राब्दी में बौद्ध धर्म" विषय पर आधारित इस मंच का मुख्य आकर्षण भारत से शाक्यमुनि के पवित्र अवशेष, आईबीसी और राष्ट्रीय संग्रहालय द्वारा आयोजित चार प्रदर्शनियां और तीन विशेष शैक्षणिक व्याख्यान होंगे। ये अवशेष काल्मिकिया की राजधानी एलिस्टा स्थित मुख्य बौद्ध मठ में स्थापित किए जाएंगे, जिसे गेडेन शेडुप चोइकोरलिंग मठ के नाम से जाना जाता है। इसे "शाक्यमुनि बुद्ध का स्वर्णिम निवास" भी कहा जाता है। यह एक महत्वपूर्ण तिब्बती बौद्ध केंद्र है, जिसे 1996 में जनता के लिए खोला गया था और यह काल्मिक मैदानों से घिरा हुआ है।

इससे पहले, काल्मिकिया के भिक्षुओं के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया था और संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू से बुद्ध के पवित्र अवशेषों को उनके गृहनगर में पूजा और आशीर्वाद के लिए ले जाने का अनुरोध किया था।

इस अवसर पर दो समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। एक समझौता ज्ञापन केंद्रीय बौद्ध रूस आध्यात्मिक प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के बीच और दूसरा नालंदा विश्वविद्यालय के साथ है।

# केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 51वें स्थापना दिवस की अध्यक्षता की

**श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सामाजिक व्यवहार में बदलाव लाने और सामूहिक पर्यावरणीय चेतना के लिए विज्ञान और समाजशास्त्र दोनों की आवश्यकता है**

**श्री भूपेंद्र यादव ने सीपीसीबी के नए भवन का शिलान्यास किया, पुणे और शिलांग स्थित सीपीसीबी के क्षेत्रीय निदेशालयों में दो प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया**

**बेहतर यूजर इंटरफेस और उन्नत कार्यक्षमता के साथ समीर 2.0 ऐप की शुरूआत की गई**

(जीएनएस)।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने 22 सितंबर, 2025 को परिवेश भवन, नई दिल्ली में अपना 51वां स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर, केंद्रीय मंत्री ने सीपीसीबी के कर्मचारियों को 51वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्री यादव ने पिछले पांच दशकों में देश में अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड की सराहना की और कहा कि सीपीसीबी पर न्यायालयों और देश के नागरिकों का भरोसा है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री भूपेंद्र यादव ने

कहा कि आज से ऐतिहासिक जीएसटी सुधार लागू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे देश 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी के एक साथ विकास के लिए पर्यावरण नियमों और मानदंडों को विकसित करने की आवश्यकता है और देश में नई तकनीकों के विकास और पर्यावरण प्रयोगशालाओं के विस्तार के लिए आईआईटी, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और अग्रणी अनुसंधान निकायों के साथ सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा, "हमें मेक-इन-इंडिया को मजबूत बनाने और प्रदूषण कम करने के लिए नए विकल्पों और स्वच्छ तकनीकों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी।"

श्री यादव ने क्षमता निर्माण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य बोर्डों और एजेंसियों के क्षमता निर्माण में सीपीसीबी की प्रमुख भूमिका है। सीपीसीबी को देश के पर्यावरणीय मामलों में क्षमता निर्माण के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। जन विश्वास अधिनियम, 2023 (प्रावधानों में संशोधन) और पर्यावरण लेखा परीक्षा नियम, 2025 के रूप में सरकार द्वारा हाल ही में किए गए सुधारों पर विचार करते हुए, श्री यादव ने कहा कि सरकार द्वारा बनाए गए नियमों और विनियमों को प्रभावी बनाने कि लिए पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक पर्यावरणीय चेतना का एक हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक विकास और व्यवहार में बदलाव लाने के लिए सामाजिक विज्ञान को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जोड़ने पर बल दिया।

श्री यादव ने सीपीसीबी के नए भवन की आधारशिला रखी। इसके अतिरिक्त, पुणे और शिलांग स्थित सीपीसीबी के क्षेत्रीय निदेशालयों में दो नई प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया गया। ये प्रयोगशालाएं 70 और 62 पर्यावरणीय मापदंडों की निगरानी करने में सक्षम हैं, और महाराष्ट्र तथा पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, असम, मेघालय, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम को सेवाएं प्रदान करेंगी।

इस कार्यक्रम के दौरान समीर ऐप की (संस्करण 2.0) भी शुरूआत की गई, जिसमें उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस, व्यक्तिगत अलर्ट, स्थान-आधारित सेवाएं और बेहतर नागरिक सहभागिता की सुविधाएं शामिल है।

# नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी 22 से 25 सितंबर 2025 तक श्रीलंका की चार दिवसीय श्रीलंका दौरा

(जीएनएस)।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी 22 से 25 सितंबर 2025 तक श्रीलंका की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं।

यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या और वाइस एडमिरल कंचना बानागोड़ा से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही वह रक्षा सहयोग से जुड़े मामलों पर तीनों सेनाओं के प्रमुखों और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। इस दौरान समुद्री सुरक्षा, क्षमता संवर्धन, प्रशिक्षण और सहयोग को मजबूत करने के अवसरों की पहचान पर जोर दिया जाएगा।

वह कोलंबो में 'बदलते हालात में हिंद महासागर की समुद्री दृष्टि' विषय पर आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सम्मेलन - गैल डायलॉग 2025 के 12वें संस्करण में भी भाग लेंगे।

भारतीय नौसेना वार्षिक रक्षा वार्ता, स्टाफ वार्ता और संवाद के अन्य माध्यमों से श्रीलंकाई नौसेना के साथ नियमित रूप से संपर्क में रहती है जिसमें श्रीलंका-भारत नौसेना अभ्यास, पैसेज अभ्यास, प्रशिक्षण और हाइड्रोग्राफी आदान-प्रदान शामिल हैं। इसके अलावा, दोनों नौसेनाएं नियमित रूप से हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी, गैल संवाद, मिलन, गोवा समुद्री सम्मेलन/संगोष्ठी, कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन जैसे बहुपक्षीय कार्यक्रमों में भाग लेती हैं।

श्रीलंका में नौसेना प्रमुख के कार्यक्रम मित्रता के बंधनों को और गहरा करने तथा 'महासागर' के दृष्टिकोण के अनुरूप साझा रणनीतिक और समुद्री हितों के प्रमुख क्षेत्रों में बेहतर समझ का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से आयोजित की गई हैं। यह यात्रा भारत-श्रीलंका संबंधों को व्यक्त करती है जो पारस्परिक सम्मान, समुद्री विश्वास और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के साझा दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

# सीडीएस ने नई दिल्ली में त्रि-सेनाएं अकादमिक प्रौद्योगिकी संगोष्ठी (टी-सैट्स) का शुभारंभ किया

(जीएनएस)।

प्रथम त्रि-सेनाएं अकादमिक प्रौद्योगिकी संगोष्ठी (टी-सैट्स) आज नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आरंभ हुई। इसमें भारतीय सशस्त्र बलों के लिए विशिष्ट और भविष्य की तकनीकों के विकास हेतु सेना-अकादमिक अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र का समन्वय किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), जनरल अनिल चौहान ने किया। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक और प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के निदेशकों और विभागाध्यक्षों के साथ-साथ आईआईएससी, आईआईटी, आईआईआईटी और निजी प्रौद्योगिकी संस्थानों सहित 62 संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर सीडीएस ने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति की जानकारी दी, जो गतिज और गैर-गतिज क्षेत्रों में अभिसरण द्वारा संचालित है। इसके लिए उन्नत एकीकृत तकनीकी समाधानों की आवश्यकता है। उन्होंने भविष्य की परिचालन मांगों को पूरा करने के लिए प्लेटफार्मों, हथियारों, नेटवर्कों में सिद्धांतों और स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने में शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स और उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने समग्र राष्ट्र दृष्टिकोण का आह्वान किया, शिक्षाविदों से नवाचार को बढ़ाने और भारत को अगली पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकियों में विश्व में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध होने का आग्रह किया।

सीडीएस ने प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया जिसमें शिक्षाविदों द्वारा 43 चयनित नूतन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इन नवाचारों का मूल्यांकन तीनों सेनाओं के विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों द्वारा उनके संभावित सैन्य अनुप्रयोगों के लिए किया गया। भविष्य में अनुसंधान एवं विकास सहयोग और वित्त पोषण सहायता के लिए आशाजनक परियोजनाओं पर विचार किया जाएगा।

इस दिन का एक प्रमुख आकर्षण शैक्षणिक नवप्रवर्तकों और सेवा प्रतिनिधियों के बीच 95 संरचित आमने-सामने की बैठकों की श्रृंखला थी। बंद दरवाजों के अंदर आयोजित इन सत्रों ने शिक्षाविदों को अनुसंधान एवं विकास प्रस्तावों को प्रस्तुत करने और विचारों को सैन्य-उपयोग के मामलों में बदलने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु मंच प्रदान किया। इससे सहयोगात्मक और परिणाम-उन्मुख वातावरण को बढ़ावा मिला। ये बैठकें 23 सितंबर 2025 को भी जारी रहेंगी।

संगोष्ठी के दौरान निम्नलिखित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहमति पत्रों (एमएसओयू) पर हस्ताक्षर किए गए: -

अजीनक्या डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय

गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी

एमएस रमैया अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय

निरमा विश्वविद्यालय

ओरिएंटल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम

इस दौरान आयोजित विभिन्न सत्रों में, 'सेनाओं की वर्तमान और भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं सहित परिचालन स्थितियों का अवलोकन' विषय पर सेमिनार भी शामिल था। संगोष्ठी में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों के बीच धुंधली होती रेखाओं की जानकारी दी गई और शिक्षा जगत के साथ मिशन-संचालित तकनीकी सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया। 'अकादमिक जगत में अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को समझना' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में संस्थागत रक्षा-केंद्रित अनुसंधान ढाँचों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

"विवेक व अनुसंधान से विजय" विषय पर आयोजित संगोष्ठी, अपनी तरह की पहली संगोष्ठी है। यह शैक्षणिक अनुसंधान क्षमताओं और रक्षा प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं के बीच गहन एकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सशस्त्र बलों को भारतीय शैक्षणिक जगत की विशाल अप्रयुक्त बौद्धिक और तकनीकी पूंजी से जोड़कर, टी-सैट्स का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भविष्य के लिए-तैयार समाधानों के सह-निर्माण हेतु स्थायी और रणनीतिक साझेदारी का निर्माण करना है।

# भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक ने असम में नागरिक सेवाओं के उन्नयन के लिए 125 मिलियन डॉलर के ऋण पर हस्ताक्षर किए

**इस परियोजना से असम के 360,000 निवासियों को निरंतर मीटरयुक्त जल आपूर्ति तथा वर्षा जल प्रबंधन प्रणालियों के उन्नयन का लाभ मिलेगा**

**यह परियोजना असम राज्य के छह जिला मुख्यालयों और गुवाहाटी में शहरी जीवन-यापन की क्षमता बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहायता करेगी**

**महिलाओं और बालिकाओं को सहायता प्रदान करने पर जोर देते हुए, महिला स्वयं सहायता समूहों को जल कार्यों में प्रशिक्षित किया जाएगा, कॉलेज आयु वर्ग की महिलाओं के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था की जाएगी तथा परियोजना के अंतर्गत जल, स्वच्छता और सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूल आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे**

(जीएनएस)।

भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने आज असम राज्य के छह जिला मुख्यालयों और गुवाहाटी में शहरी जीवन-यापन की क्षमता बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन मजबूत करने के लिए 125 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

असम शहरी क्षेत्र विकास परियोजना के लिए ऋण समझौते पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव सुश्री जूही मुखर्जी और एडीबी के इंडिया रेजिडेंट मिशन की कंट्री डायरेक्टर सुश्री मियो ओका ने हस्ताक्षर किए।

इस परियोजना से असम के 3,60,000 निवासियों को निरंतर मीटरयुक्त जल आपूर्ति और वर्षा जल प्रबंधन प्रणालियों के उन्नयन का लाभ मिलेगा। इसका उद्देश्य संस्थागत सुधारों और क्षमता निर्माण के माध्यम से शहरी शासन को सुदृढ़ बनाना भी है।

प्रमुख बुनियादी ढाँचे के निवेश में बारपेटा, बोंगाईगाँव, धुबरी, ग्वालपाड़ा, गोलाघाट और नलबाड़ी जिला मुख्यालयों में प्रतिदिन 72 मिलियन लीटर की संयुक्त क्षमता वाले छह जल उपचार संयंत्रों और 800 किलोमीटर लंबी वितरण पाइपलाइनों का निर्माण शामिल है। इस परियोजना में एक वास्तविक समय निगरानी प्रणाली भी स्थापित की जाएगी, जिसका उद्देश्य गैर-राजस्व वाले जल को 20 प्रतिशत से नीचे बनाए रखना है।

गुवाहाटी में, यह परियोजना बाहिनी बेसिन में बाढ़ के डायवर्जन चैनलों, उन्नत जल निकासी प्रणालियों और बाढ़ के निर्वहन को कम करने और भूजल पुनर्भरण में सुधार के लिए एक प्रकृति-आधारित प्रतिधारण तालाब के साथ वर्षा जल प्रबंधन भंडारण को बढ़ावा देगी।

इस परियोजना में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के सहयोग से असम राज्य शहरी विकास संस्थान की स्थापना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, यह परियोजना शहरों में वित्तीय स्थिरता और सेवा वितरण में सुधार के लिए जीआईएस-आधारित संपत्ति कर डेटाबेस, डिजिटल जल बिलिंग प्रणाली और वॉल्यूमेट्रिक जल शुल्क संरचना विकसित करेगा।

यह परियोजना महिलाओं और बालिकाओं के सहयोग और सामाजिक समावेश पर जोर देती है।

इसकी गतिविधियों में जल कार्यों में महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण देना, कॉलेज जाने वाली महिलाओं के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और जल, स्वच्छता और सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूल आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है।